Date 29/5/19

पाठ-1 भाषा, लिपि, और व्याकरण

1. **भाषा** :- भाषा के माध्यम से हम अपने मन के भावों एवं विचारों को दूसरों के समक्ष प्रकट करते हैं तथा दूसरों के मन के भावों एवं विचारों को समझते हैं।

2. **भाषा के दो रूप माने गए हैं।**

(क) **मौखिक** :- अपने मन के भावों एवं विचारों को बोलकर प्रकट करना मौखिक भाषा कहलाता है।
जैसे ⇒ नाटक, फिल्म, प्रतियोगिता आदि।

(ख) **लिखित** :- अपने मन के भावों एवं विचारों को लिखकर प्रकट करना लिखित भाषा कहलाता है।
जैसे ⇒ समाचार पत्र, परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर लिखते हैं। आदि।

3. **मातृभाषा** :- वह भाषा जो संतान अपनी माँ और अपने परिवार से सीखता है, वह मातृभाषा कहलाती है।

4. **राष्ट्रभाषा** :- देश के अधिकतर निवासी जिस भाषा का प्रयोग करते हैं, वह राष्ट्रभाषा कहलाती है। भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी है। अमरीका की अंग्रेजी, जापान की जापानी आदि।

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

5. राजभाषा :- देश के कार्यालयों एवं राज-काज में जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, वह राजभाषा कहलाती है। हमारे देश में यह हिन्दी और अंग्रेजी है।

6. मानक भाषा :- विद्वानों ने भाषा में समता लाने के लिए जिस भाषा को मान्यता दी, वह मानक भाषा कहलाती है।

प्राचीन रूप	मानक रूप
खण्ड	खंड
मिट्टी	मिट्टी
क्ष	क्ष

7. विभिन्न भाषाएँ और उनकी लिपियाँ -

विश्व में अनेक भाषाएँ बोली एवं लिखी जाती हैं।

14 सितंबर, 1949 को हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। संविधान में 22 भारतीय भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई। ~~असमिया~~

1. असमिया
2. उड़िया
3. उर्दू
4. कन्नड़
5. कश्मीरी
6. कोंकणी
7. गुजराती
8. डोगरी
9. बंकि
10. तेलुगू
11. नेपाली
12. पंजाबी
13. बांगला
14. बोडो
15. मणिपुरी
16. मराठी
17. मलयालम
18. मैथिली
19. संथाली
20. संस्कृत
21. सिंधी
22. हिन्दी

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

(७) मि

8. **लिपि** :- ध्वनियों को अंकित करने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों की व्यवस्था को लिपि कहते हैं।

संस्कृत और हिन्दी की लिपि देवनागरी लिपि है।

आइए नीचे कुछ भाषाओं एवं उनकी लिपियों को जानें।

भाषा	लिपि
पंजाबी	गुरुमुखी
कश्मीरी	शारदा
मलयालम	मलयालम
कन्नड़	कन्नड़
असमिया	असम
तेलुगु	तेलुगु
बाँग्ला	बँगाली
गुजराती	देवनागरी
उड़िया	उड़िया
मराठी	देवनागरी

9. **भाषा और बोली** :- भाषा का क्षेत्र विकसित होता है तथा इसमें साहित्य की रचना की जाती है। जबकि बोली का क्षेत्र अल्प विकसित होता है तथा इसमें आम तौर पर साहित्य की रचना नहीं होती है, परंतु जब इसमें साहित्य की रचना की जाती है तब यह बोली से उपभाषा के रूप में परिवर्तित

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

10. **व्याकरण** :- भाषा के शुद्ध रूप के नियम बताने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

11. व्याकरण के तीन मुख्य भाग हैं:-

1. वर्ण विचार
2. शब्द विचार
3. वाक्य विचार

A+

Ashish 10/07/19